विचार बिन्दु

जिसमे आत्मविश्वास नहीं, उसमे अन्य चीजों के प्रति विश्वास कैसे उत्पन्न हो सकता है। –विवेकानंद

महाकुंभ: भक्तों की अपार भीड़ कौशल और विवेक मांग रही है

यह इन्द्र लोक की महामाया नगरी सरीखी है प्रयागराज की संगम स्थली, यहां साधु हैं सन्त हैं। त्यागी तपस्वी हैं मानवता के पुजारी हैं तो पाखण्डी और लुटेरों की भी भरमार हैं। यहां हर हिस्से में अद्भुत कहानियों की भरमार है, आंखें फटी रह जाएं ऐसे चमत्कार हैं तो चमत्कारों के नाम पर हाथों की सफाई वाले फरेबी भी खूब हैं। यह नगरिया सूर्योदय से पहले अमृत कलश भरती है और चन्द्रास्त से पहले ही रश्मी रथों पर आरूढ़ होकर महादेव भक्तों की मनोकामनाएं पूरा करने गंगा को जटाओं से मुक्त कर महादेवी यमुना और ब्रह्मा पुत्री सरस्वती से मिलने को मुक्त कर लुप्त हो जाते हैं। इसी लिए यहां लहरा रहा है अपार जनसागर। इस महाकुम्भ में अकल्पनीय भीड़ के आंकड़ो ने सभी पूर्वानुमानों को ध्वस्त कर दिया है। अब तक यह आंकड़ा पचपन करोड़ के पार पहुंच गया है और मेला समाप्त होते-होते यह आंकड़ा साठ करोड़ को छू जाएगा। महाकुम्भ हमारी सनातन संस्कृति की अटूट पहचान है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कहते हैं इस कुम्भ से उत्तर प्रदेश को तीन लाख करोड़ रूपए की आय हुई है बहुत अच्छी बात है। राष्ट्रपति जी से लेकर प्रधानमंत्री जी और पक्ष-विपक्ष के सारे नेता डुबकी लगा आए हैं जो बचे हैं वे अब लगाने को आतुर हैं।

लेकिन अगर किसी धार्मिक आयोजन में भीड़ की अटूट आमद ही उपलब्धि है तो निश्चय ही पीठ थपथपाइए। कहते हैं जैसी दृष्टि वैसी सृष्टि। महाकुंभ पर यह कथन सौ फीसदी लागू होता है। राजनेताओं को यहां पकी लहलहाती हुई राजनैतिक फसल दिखाई दे रही है तभी तो अखिलेश यादव मेले को दस दिन और बढ़ाने की मांग कर रहे हैं।

लेकिन यदि समग्र प्रबंधन को लेकर यात्रियों में तल्खी है, मौतों और दुर्घटनाओं पर लगाम नही है,भारी भरकम जाम से निजात नही है तो आपको अपने आपको शाबाशी देने से पहले सोचना पड़ेगा। अगर उत्तर प्रदेश को यात्रियों के आने से तीन लाख करोड़ की आय हुई है तो फिर यह आंकड़ा भी देखिए कि औसतन पांच घंटे से पैंतीस घण्टों के जाम में फंसे लाखों वाहनों से लगभग एक लाख करोड़ का डीजल-पैट्रोल का धूंआ उड़ गया। पर्यावरण प्रदूषण इसका अगला बाई प्रोडक्ट है जिसका कोई अध्ययन नही हुआ है अभी तक। सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने अपनी पत्नी संग संगम में डुबकी लगाकर पोस्ट करते हुए लिखा हवाई यात्रा करते हुए मैं ने सड़कों पर वाहनों की सैकड़ों किलोमीटर लम्बी लाइन देखी है, लेकिन यही गडकरी जी की अनुपलब्धि भी जाहिर करती है, आपने समय रहते सड़कों का व्यापक जाल नही बिछाया है। कुम्भ के लिए आमन्त्रित पर जितना जोर-शोर प्रचार किया गया ,धन खर्च हुआ उससे हजार, लाख गुना प्रबंधन पर होता तो वाकई चार चांद लग जाते। अब आइए योगी जी के बयान पर, कुम्भ में किसी के लिए कोई वीआईपी व्यवस्था नही होगी जो पूरी तरह सफ़ेद झूठ साबित हुआ। पूरा पुलिस प्रशासन दिन-रात विशिष्ट मेहमानों की खिदमत में तैनात रहा। आम भक्त पंद्रह से बीस किलोमीटर का पैदल चलने को मजबूर हैं। जिनमें बूढ़े, बच्चे और बीमार लोग और स्त्रियां भी शामिल हैं। ई-रिक्शा, मोटरसाइकिल और नाव वालों ने भक्तों की जेब पर तो डाका ही डाल रखा है अकल्पनीय रूप से मनमाने पैसे वसूल किए जा रहे हैं। जितने में एक सवारी जयपुर आने-जाने के पैसे दे रहे हैं उससे दो-तीन गुना पैसा नाव, ई-रिक्शा और मोटरसाइकिल वाले वसूल रहे हैं। उधर महाकुंभ के दौरान प्रयागराज में अपशिष्ट जल का उच्च स्तर के विषय में केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) की एक रिपोर्ट के माध्यम से कल ही राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) को सूचित किया गया कि प्रयागराज में महाकुंभ के दौरान विभिन्न स्थानों पर अपशिष्ट जल का स्तर स्नान के लिए प्राथमिक जल गुणवत्ता के अनुरूप नहीं है। रिपोर्ट में कहा गया है, नदी के पानी की गुणवत्ता विभिन्न अवसरों पर सभी निगरानी स्थानों पर अपशिष्ट जल 'फेकल कोलीफॉर्म' के संबंध में स्नान के लिए प्राथमिक जल गुणवत्ता के अनुरूप नहीं थी। प्रयागराज में महाकुंभ के दौरान बड़ी संख्या में लोग नदी में स्नान करते हैं, जिसमें अपशिष्ट जल की सांद्रता में वृद्धि खूब वृद्धि हुई है।

मेला क्षेत्र में वीआईपी जोन पूरी तरह एक तरफ हो जिससे आम जन को परेशानी नहीं उठानी पड़े। मेला क्षेत्र में किसी भी कीमत पर दो किलोमीटर से अधिक पैदल न चलना पड़े। हर हाल में सड़क से लेकर मेला क्षेत्र में केवल वन वे ही होने चाहिए। यात्रियों के लिए पार्किंग स्थल से लेकर मेला क्षेत्र तक आने-जाने के वाहन सरकार की और से निःशुल्क होने चाहिए। कुम्भ में करोड़ों लोग डुबकी लगा रहे हैं यहां हर प्रकार से समग्र वैज्ञानिक और तकनीकी व्यवस्था करके नदियों के जल को सम्पूर्ण स्वच्छ रखना अनिवार्य हो। जगह-जगह भरपूर चिकित्सा केंद्र स्थापित हो। लाखों टन कचरा एकत्रित हो रहा है उसका वैज्ञानिक विधि से निस्तारण हो।

लाखों टन कचरे के पहाड़ पचास-साठ किलोमीटर जाते ही दिख जाएंगे। जहां लोगों की भीड़ उमड़ रही है वहां के वाशिंदों की हालत ही मत पूछिए। ये लाइन्स लव वाला किस्सा है। आस्था विश्वास और श्रद्धा के सम्पुट से पगलाई भीड़ भी यहां के वासिन्दों के ख्यालों से मेल खा रही है सो बेचारे डेढ़ महिने में घरों में सिमटकर रह गए हैं। एक मोहल्ले से निकट के दूसरे मोहल्ले पंहुचने के लिए दस किलोमीटर का फेरा लगाना पड़ रहा है जरुरी दवा और सामान को तरस गए हैं। काशी, प्रयाग, अयोध्या और चित्रकूट सहित निकटवर्ती शहरों के हाल खराब हैं। प्रशासन के हाथ-पांव पल-पल फूल रहे हैं। मानवता को धता बताते पुलिसकर्मियों को बिना ब्रेक के अड़तालीस से बहत्तर घन्टें की ड्यूटी देनी पड़ रही है। कुम्भ से लौटे यात्री गण फीकी मुस्कान के साथ खट्टे अनुभवों को गटक कर तीस-पैंतीस घण्टों तक बस में कमर सीधी करके बैठकर लौटने के बाद भी फरमा रहे हैं कुछ भी कहो मजा आ गया, ये है आस्था!

चलिए ये सब बातें किसी न किसी रूप में सब को पता है लेकिन आगे के क्या सबक हैं ये समझना ज़रूरी है। प्रबंध कौशल का पहला सबक कुम्भ आने वाले यात्रियों का अनिवार्य रूप से आन लाइन रजिस्ट्रेशन कीजिए जैसे अमरनाथ यात्रा में होता है, व्यक्ति स्वयं करें, ई मित्र केन्द्र पर हो और लास्ट में मेले मार्ग पर अनिवार्य हो। बिना रजिस्ट्रेशन के सख्ती से हो ना एंट्री। यात्रियों को पंहुच का समय और तिथि अपनी प्रबंधन क्षमता के अनुसार पहले से बात कर रखिए। हर कदम पर आने वालों के रजिस्ट्रेशन को चैक किया जाए ताकि आरम्भ से ही भीड़ पर नियंत्रण रहे। घाटों की क्षमतानुसार ही एंट्री मिले। सेना और अर्धसेना की सेवाएं लीजिए। एआई तकनीक से लैस अत्यधिक रोबोट लगाए जाएं। कुम्भ स्थल के दो तीन सौ किलोमीटर तक सड़क के दोनों और यात्री ठहराव के केन्द्र बनें यहीं पर यात्रियों की कलाई पर तकनीक से लैस टेग लगें जो जाते ही समय खोले जाएं। जगह-जगह दानदाताओं के सहयोग से भोजन भण्डारे और लंगर लगें, पेड़ फूड जोन अलग से बनें। मेला क्षेत्र में वीआईपी जोन पूरी तरह एक तरफ हो जिससे आम जन को परेशानी नहीं उठानी पड़े। मेला क्षेत्र में किसी भी कीमत पर दो किलोमीटर से अधिक पैदल न चलना पड़े। हर हाल में सड़क से लेकर मेला क्षेत्र में केवल वन वे ही होने चाहिए। यात्रियों के लिए पार्किंग स्थल से लेकर मेला क्षेत्र तक आने-जाने के वाहन सरकार की और से निःशुल्क होने चाहिए। कुम्भ में करोड़ों लोग डुबकी लगा रहे हैं यहां हर प्रकार से समग्र वैज्ञानिक और तकनीकी व्यवस्था करके नदियों के जल को सम्पूर्ण स्वच्छ रखना अनिवार्य हो। जगह-जगह भरपूर चिकित्सा केंद्र स्थापित हो। लाखों टन कचरा एकत्रित हो रहा है उसका वैज्ञानिक विधि से निस्तारण हो। मेले में आ रही भीड़ को ग्लैमेराइज करने की जगह प्रबंध कौशल पर फोकस कीजिए। ओर ये रेल्वे वाले क्या भांग पीकर सो गए हैं ट्रेन की क्षमता से पांच गुना तक टिकिट काट कर वाहवाही लूट रहे हैं। रेल्वे पुलिस महज लाइन लगवाकर केवल उतने यात्री ट्रेनों में क्यों नहीं बिठा रही जितनी सीट है। बिहार से ट्रेनों में सवार होने वाले लोग डण्डें, बांस, पत्थर और हथोड़ों से दरवाजे खिड़कियां तोड़ कर जबरन घुस रहे हैं। हद है अराजकता की, रिजर्वेशन लेकर बैठे यात्री पिट रहे हैं उनका सामान फैंक कर धकेला जा रहा है। स्टेशन पर भगदड़ मच कर लोग चिंथ कर मर रहे हैं रेल मंत्रालय मौन है। यह महाकुम्भ पचास या साठ करोड़ लोगों के आगमन का मुदित मन से तथाकथित तकनीकी गणना से दावा कर रहा है जो स्वयं परीक्षित होनी शेष है। आनन्द महेन्द्रा ने घोषणा की है वे अपने विश्वविद्यालय में भीड़ प्रबंधन और तकनीकी कौशल पर काम करेंगें। यह स्वागत योग्य है हमारे आइआइटी और आइआइएम संस्थानों को भी सरकार ऐसे ही टास्क दे।

–अतिथि संपादक,
राजेन्द्र मोहन शर्मा,
साहित्यकार, शिक्षाविद एवं चिन्तक

'आजादी के 77 वर्ष बाद भी राजस्थानी भाषा को नहीं मिली संवैधानिक मान्यता'

जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय में विश्व मायड़ भाषा दिवस पर समारोह आयोजित

जोधपुर, (कासं)। राजस्थानी भाषा विश्व की एक समृद्ध भाषा है। इसकी साहित्यिकी परम्परा, संस्कृति एवं इतिहास अनुठा है। हम सभी भाषाओं का सम्मान करते हैं, मगर अपनी मातृभाषा राजस्थानी का अपमान कभी भी सहन नहीं करेंगे। राजस्थानी और गुजराती एक ही मां की दो बेटियां है। देश प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को अपनी मातृभाषा गुजराती पर जितना गर्व है हमे भी अपनी मातृभाषा राजस्थानी पर उतना ही गर्व है। मगर दुर्भाग्य की बात यह है कि देश की आजादी के 77 वर्ष बाद भी राजस्थानी भाषा संवैधानिक मान्यता के लिए तरस रही है। यह विचार चलकोई फाउंडेशन के संस्थापक एवं राजस्थानी भाषा आंदोलन के अग्रणी राजवीरसिंह चलकोई ने जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय के राजस्थानी विभाग एवं महाराजा मानसिंह पुस्तक प्रकाश शोध केन्द्र, मेहरानगढ़ के संयुक्त तत्वावधान में विश्व मायड़ भाषा दिवस पर आयोजित समारोह में व्यक्त किये।

विश्व मायड़ भाषा दिवस पर आयोजित समारोह में अतिथियों का सम्मान किया गया।

- **राजस्थानी भाषा को बढ़ावा देने के लिए चलकोई फाउण्डेशन द्वारा 40 विद्यार्थियों एवं शोध कार्य करने वाले 6 शोधार्थियों को ऑनलाइन स्कॉलरशिप प्रदान की**

उन्होंने कहा कि प्रदेश की राज्य सरकार राजस्थानी को राजभाषा एवं केन्द्र सरकार शीघ्र संवैधानिक मान्यता प्रदान करें। महाराजा मानसिंह पुस्तक प्रकाश शोध केन्द्र मेहरानगढ़ के सहायक निदेशक डॉ. महेन्द्रसिंह तंवर एवं समारोह संयोजक डॉ. मीनाक्षी बोराणा ने बताया कि समारोह अध्यक्ष कला संकाय अधिष्ठाता प्रोफेसर (डॉ.) मंगलाराम बिश्नोई ने कहा कि मनुष्य की सम्प्रेषण का मुख्य आधार मातृभाषा ही है अतः प्रदेश में प्राथमिक एवं उच्च शिक्षण का माध्यम हमारी मातृभाषा राजस्थानी में ही होना चाहिए। क्योंकि मातृभाषा में मानव के जीवन मूल्यों की झनकार सुनाई देती है।

विशिष्ट अतिथि विधि संकाय अधिष्ठाता एवं सिण्डीकेट सदस्य प्रोफेसर (डॉ.) सुनील आसोपा कहा कि विधि एक कला है मगर समाज के दबाव से कानून बनता है, इसलिए सरकार पर दबाव बनेगा तो ही वह इस कानूनी रूप से संवैधानिक मान्यता प्रदान करेगी। इसलिए हमें सम्मिलित रूप से इस दिशा में आगे बढ़ना चाहिए। इस अवसर पर डॉ. महेन्द्र पुरोहित ने कहा कि राजस्थानी भाषा प्रदेश की एक मानक भाषा है, जिसका विशाल शब्दकोश, व्याकरण एवं समृद्ध साहित्य भण्डार है।

महाराजा मानसिंह पुस्तक प्रकाश शोध केन्द्र मेहरानगढ़ के सहायक निदेशक डॉ. महेन्द्रसिंह तंवर ने राजस्थानी भाषा की संवैधानिक मान्यता विषय पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए कहा कि राजस्थानी भाषा हमारे इतिहास एवं संस्कृति का पर्याय है।

हालांकि युनेस्को ने तो सन् 1999 में मातृभाषा दिवस की घोषणा की मगर राजस्थानी ज्ञान परम्परा में बसंत पंचमी को मातृभाषा के रूप में ही मनाया जाता रहा है। उन्होंने राजस्थानी भाषा को संवैधानिक मान्यता की पुरजोर मांग करते हुए इस संबंध में राजनैतिक उदासीनता को खुलकर उजागर किया। कार्यक्रम में आरम्भ में मां सरस्वती की मूर्ति पर माल्यार्पण कर अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलित किया गया है। समारोह संयोजक डॉ. मीनाक्षी बोराणा द्वारा स्वागत दिया गया। संचालन राजस्थानी विद्यार्थी श्रवण राम भादू ने किया।

इस अवसर पर राजस्थानी भाषा को बढावा देने के लिए चलकोई फाउण्डेशन द्वारा इस वर्ष 2025 राजस्थानी विषय में एम.ए. प्रथम सेमेस्टर के 40 विद्यार्थियों एवं शोध कार्य करने वाले 6 शोधार्थियों को ऑनलाइन स्कॉलरशिप प्रदान की गई। समारोह में राजस्थानी विभागाध्यक्ष डॉ. गजेसिंह राजपुरोहित, प्रतिष्ठित रचनाकार भंवर लाल सुथार तरनिजा मोहन राठौड़, इन्द्रजीत शर्मा, विरेन्द्रसिंह राठौड़, महेश व्यास, माधुसिंह, जितेन्द्र साठिका, अभि पंडित, डॉ. रणजीतसिंह चौहान, डॉ. भीवसिंह, जगदीश, विष्णुशंकर सहित विश्वविद्यालय के शिक्षक, राजस्थानी शोधार्थी, विद्यार्थी एवं मायड़ भाषा प्रेमी मौजूद रहे।

देर रात्रि में ऊंची आवाज में बजने वाले डीजे से लोग परेशान

सादुलपुर, (निसं)। शादी तथा अन्य प्रकार के संपन्न होने वाले कार्यों के लिए बने भवनों में बिना किसी रोक-टोक के ऊंची आवाज में डीजे बजाने तथा जनरेटर का प्रदूषण युक्त वातावरण से भवनों के आसपास रहने वाले घरों के लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इस संबंध में रवि कुमार वार्ड नंबर 8 सादुलपुर निवासी ने एसडीएम को लिखित शिकायत कर कार्रवाई की मांग की है।

बताया कि पिछले 6 माह से नींद पूरी नहीं होने के कारण बीमार रहने लगा है तथा उसका इलाज हिसार में चल रहा है। हाल यह है कि उसे नींद की गोलियां लेनी पड़ रही है। शिकायत में चेतावनी दी है कि अगर कोई अनहोनी की घटना होती है तो उसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन भवन के कार्यकारिणी सदस्य होंगे।

शिकायत बताया कि उसके मकान के पास आबाद बस्ती में एक भवन बना हुआ है, जिसमें विवाह शादी तथा अन्य विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों की आयोजन होते हैं। शिकायत में बताया कि भवन को किराए पर बुक करते समय नियमों की पालना के अनुसार कोई कार्रवाई नहीं करते हैं। भवन में होने वाले कार्यक्रम रात के करीब 2-3 बजे तक तेज ध्वनि में डीजे बजाना, लगातार आतिशबाजी करना जैसे काम होते हैं, जिसके कारण मोहल्ले में बसने वाले व्यक्तियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है तथा रात भर मोहल्ले के लोगों को नींद नहीं आने के कारण गंभीर बीमारी से पीड़ित होने की संभावना बन रही है तथा लगभग कार्यकारिणी सदस्यों सहित प्रशासन पुलिस प्रशासन को अवगत करवाने के बावजूद भी कोई कार्रवाई नहीं हो रही है तथा आए दिन हर तीसरे चौथे दिन भवनों में यह कार्य होता रहता है।

- **शिकायतों की बावजूद नहीं हो रही कार्रवाई, डीजे बजाने वाले लोगों को पाबंद करने की मांग**

इसके अलावा शहर के अनेक लोगों ने बताया कि गली मोहल्ले में डीजे बजाना एक चलन सा हो गया है, जन्मोत्सव या फिर किसी बच्चे का जन्म होना या अन्य कार्यक्रमों के लिए लोग किराए पर डीजे को लेकर रात भर तेज आवाज में नियमों की अनदेखी कर डीजे बजाते हैं। जिसके कारण बडे बुजुर्गों सहित छोटे बच्चों के स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ रहा है।

इस संबंध में शहर के अनेक लोगों ने नाम न छापने की शर्त पर नियमों का उल्लंघन कर किराए पर डीजे लेने वालों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है तथा डीजे मालिकों को किराए पर ले जाने वालों से कम आवाज में डीजे बजाना रात्रि के एक बजे बाद डीजे को बंद करना जैसी शर्तों के लिए पाबंद करने की भी मांग की है।

भारत और मिश्र के बीच महाजन फील्ड फायरिंग रेंज में 14 दिन का युद्धाभ्यास जारी

बीकानेर, (निसं)। महाजन फील्ड फायरिंग रेंज में भारतीय सेना के साथ मिश्र की सेना युद्धाभ्यास कर रही है। दोनों सेना मिलकर शहरी क्षेत्रों में आतंकियों से निपटने के लिए बनने वाली योजना पर काम कर रही है। महाजन फील्ड फायरिंग रेंज में और सेना के हेलिकॉप्टर एक जगह खड़े नजर आए। हेलिकॉप्टर से एक-एक जवान उतरा और मकान पर धवा बोल दिया। जवानों को शक था कि मकान में कोई आतंकी छुपा हुआ है। जवान घर के अंदर घुसते हैं और गोलियों से दुश्मन को मौत के घाट उतार देते हैं। हेलीबोर्न ऑपरेशन से पहले ड्रोन से दुश्मनों की निगरानी की। हालांकि ये हकीकत में नहीं था। ये पूरा घटनाक्रम काल्पनिक था।

रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता अमिताभ शर्मा ने बताया कि भारत और मिश्र के बीच 14 दिन का युद्धाभ्यास चल रहा है, जो 23 फरवरी तक अनवरत चलेगा। इसके तहत अगले 48 घंटे तक लगातार अभ्यास होगा। इस दौरान सेना के जवान अपनी सेना की उत्कृष्टता, अंतरराष्ट्रीय सहयोग और युद्ध में तत्परता का प्रदर्शन करेंगे। 48 घंटे का वेलीडेशन फेज शुक्रवार को शुरू हो गया, जो रविवार सुबह तक चलेगा। किसी युद्ध और ऑपरेशन के अंतिम चरण में किस तरह से काम किया जाता है ये इसी 48 घंटे में जवानों को सिखाया जाएगा। इस दौरान आला अधिकारी तकनीक रूप से क्षेत्र का अवलोकन करने के बाद सैन्य टुकड़ियों को निर्देश दे रहे हैं कि किस तरह से दुश्मन को घेरना है और कब हमला बोलना है। कम से कम नुकसान में ज्यादा से ज्यादा दुश्मन को निपटाने की योजना बनाने से पहले ड्रोन को भेजा जा रहा है। ड्रोन जहां पहुंच रहा है, उसे सेना के आला अधिकारी देख रहे हैं। इसी मौका मुआयना के बाद दुश्मन पर आक्रमण किया जा रहा है। इस दौरान दोनों देशों की सेना के आला अधिकारी भी पहुंच रहे हैं। सेना के जवानों के साथ संवाद किया जा रहा है।

- **युद्धाभ्यास में भारत-मिश्र के जवानों ने घर में घुसकर आतंकवादी को मारा, ड्रोन से दुश्मन के ठिकानों की निगरानी की**

इस फेज के दौरान दोनों देशों के अलग-अलग दल बनाए जाएंगे। ये दोनों दल एंटी टेरेरिस्ट अभियान चलाएंगे। इस दौरान दोनों दल अपनी क्षमता से ज्यादा बेहतर काम करते हुए दुश्मन के ठिकानों पर हमला करेंगे। इस दौरान मॉडर्न हथियारों के साथ ही मॉडर्न तकनीक का भी उपयोग होगा। पिछले दिनों में युद्धाभ्यास में जो कुछ भी सीखा है, उसे काल्पनिक खतरों से निपटने में उपयोग किया जाएगा। अभ्यास में दोनों देशों की सेनाएं कठिन युद्ध प्रशिक्षण और सामरिक अभ्यास कर रही है। जिसका उद्देश्य जाइंट ऑपरेशन क्षमताओं को मजबूत करना है। इस अभ्यास का प्रमुख लक्ष्य पारस्परिक कार्यकुशलता को बढ़ाना है।

इस दौरान क्वार्टर बैटल ड्रिल, सर्वाइकल तकनीक, कॉम्बेट मेडिकल स्किल्स और डिमॉलिश ट्रेनिंग का जॉइंट प्रशिक्षण दिया जा रहा है। मरुस्थल के तेज तापमान, पैदल चलने में कठिनाई सहित अनेक विपरीत परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए ये युद्धाभ्यास हो रहा है। भारत और मिश्र दोनों ही देशों की विपरीत परिस्थितियों को ध्यान रखा जा रहा है।

अजमेर के दरगाह क्षेत्र में आवारा श्वानों का आतंक

अजमेर, (कासं)। दरगाह क्षेत्र के अंदरकोट, झरनेश्वर महादेव मंदिर मार्ग सहित परिधि क्षेत्र में घूम रहे एक पागल कुत्ते ने एक युवक को घायल कर दिया तो कई लोगों को अपना शिकार बना लिया। घटना के बाद क्षेत्रवासियों में दहशत का माहौल है। लोग घरों से बाहर निकलने से भी डर रहे हैं। स्थानीय लोगों ने जिला व निगम प्रशासन से मांग की है कि आवारा व पागल कुत्ते को पकड़कर राहत दी जाए।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि शुक्रवार अल सुबह से ही एक पागल कुत्ता अंदरकोट झरनेश्वर रोड, बड़वा सहित आसपास के क्षेत्रों में इधर-उधर भाग रहा है और राहगीरों पर हमला कर रहा है। कई लोगों को इस काट भी लिया, जिन्हें स्थानीय लोगों ने अस्पताल पहुंचाया। क्षेत्रवासियों का कहना है कि प्रशासन को सूचना देने के बावजूद कुत्ते को नहीं पकड़ा गया है।

घायल हुआ युवक

क्षेत्रवासियों का कहना है कि आगामी शिवरात्रि पर्व के दौरान मंदिर में बड़ी संख्या में श्रद्धालु आते हैं। ऐसे में अगर श्वान को पकड़ा नहीं गया, तो किसी भी समय भगदड़ मच सकती है। बड़वा स्थित झारनेश्वर रोड और उसके आसपास के इलाकों में आवारा श्वानों की संख्या काफी बढ़ चुकी है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि नगर निगम ने टोल्फा को श्वानों को पकड़ने का ठेका दिया हुआ है, लेकिन संस्था को सूचना देने के बाद भी इन्हें पकड़ा नहीं जा रहा है।

पूर्व में बनाया बच्चों को निशाना :- क्षेत्रवासियों ने बताया कि बताया कि कुछ माह पूर्व ही आवारा कुत्तों ने कई बच्चों को निशाना बनाया है। निगम कर्मचारी साल में एक बार श्वानों को पकड़ने के लिए आते हैं, लेकिन उन्हें दरगाह वैकल्पिक मार्ग पर छोड़ दिया जाता है। इस लापरवाही के कारण इलाके में श्वानों की समस्या बढ़ती जा रही है, जिससे खासतौर पर महिलाएं और बच्चे घर से बाहर निकलने से डर रहे हैं।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

शनिवार 22 फरवरी, 2025

फाल्गुन मास, कृष्ण पक्ष, नवमी तिथि, शनिवार, विक्रम संवत 2081, ज्येष्ठा नक्षत्र सायं 5:40 तक, हर्षण योग दिन 11:56 तक, गर करण दिन 1:20 तक, चन्द्रमा आज सायं 5:40 से धनु राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-कुम्भ, चन्द्रमा-वृश्चिक, मंगल-मिथुन, बुध-कुम्भ, गुरू-वृष, शुक्र-मीन, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज भद्रा रात्रि 1:38 से आरम्भ होगी।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ 8:26 से 9:51 तक, चर 12:40 से 2:05 तक, लाभ-अमृत 2:05 से 4:55 तक।

राहूकाल: 9:00 से 10:30 तक। सूर्योदय 7:01, सूर्यास्त 6:19

मेष
अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। आज पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ बनी रहेगी। आपसी मतभेद बढ़ने का भय बना रहेगा। नवीन कार्यों के लिए दिन अच्छा नहीं रहेगा।

वृष
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आज परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

मिथुन
आर्थिक मामलों से संबंधित विवादों से राहत मिल सकती है। व्यावसायिक यात्रा संभव है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। आज धन प्राप्त होगा। स्वास्थ्य ठीक रहेगा।

कर्क
व्यावसायिक खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। नौकरीपेशा व्यक्तियों को मानसिक तनाव बना रहेगा। आज परिजनों के व्यवहार के कारण मन खिन्न हो सकता है।

सिंह
घर-गृहस्थी के खर्चों के कारण भागदौड़ रहेगी। परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। आज खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

कन्या
व्यावसायिक विवादों से राहत मिल सकती है। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। आज धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

तुला
आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है।

वृश्चिक
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मन:स्थिति में सुधार होगा। आज मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

धनु
घर-परिवार के कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। पारिवारिक खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। आज अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है।

मकर
आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी।

कुंभ
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

मीन
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा।